



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 282] नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 2, 1982/आषाढ़ 11, 1904  
No. 282] NEW DELHI, FRIDAY, JULY 2, 1982/ASADHA 11, 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ सख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वित्त मंत्रालय  
केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जुलाई 1982

आय-कर

का०सा० 472(अ) —केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 295 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आय-कर नियम 1962 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् —

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम आय-कर (सातवां संशोधन) विनियम, 1982 है।

(2) ये 1 अप्रैल, 1983 को प्रवृत्त होंगे।

2 आय-कर नियम, 1962 में (जिसे इसमें इसके पश्चात् मूल नियम कहा गया है) नियम 18खख के पश्चात् निम्नलिखित नियम अन्तर्गतापित किया जाएगा, अर्थात् —

“18खखक—धारा 80 जजख के अधीन कटौती का दावा करने के लिए संपरीक्षा रिपोर्ट का प्रारूप

किसी कम्पनी या किसी मजूकरी सोसायटी से भिन्न किसी निर्वारिती केन्द्राधी की संपरीक्षा की रिपोर्ट जो धारा 80 जजख की उप-धारा 3) के खख (1) के अधीन दी जाती अपेक्षित है प्रारूप सं० 10गगक में होगी।”

3 मूल नियमों के परिशिष्ट II में प्रारूप सं० 10 गग के पश्चात् निम्नलिखित प्रारूप अन्तर्गतापित किया जाएगा अर्थात्—

“प्रारूप सं० 10 गगक

(नियम 18खखक देखें)

आय-कर अधिनियम, 1961 की धारा 80 जजख के अधीन संपरीक्षा रिपोर्ट

\*मैंने/हमने

वेश का नाम

द्वारा

संबंधी कारबार के तुलनपत्र की जैता कि वह को है और उस तारीख को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए उक्त कारबार के लाभ और हानि लेखा की परीक्षा कर ली है और हमें यह पता चला है कि वे

मुख्य कार्यालय और

गई लेखा पुस्तकों के अनुसार है।

मैं श्री मैसर्स  
(निर्धारित का नाम)

\*\*के निष्पादन

\*मेरा/हमारा यह समाधान हो गया है कि श्री मैसर्स ने उपरनिर्दिष्ट परियोजना कार्य के निष्पादन के कारबार में उपाधन लाभों और फायदों की बाबत पृथक लेखा रखे हुए हैं।

\*मैं/हम प्रमाणित करते हैं/करते हैं कि उक्त कारबार के प्रयोजनों के लिए सभी खर्चे, जहां कहीं भी वे उपयुक्त किए गए हैं, उक्त कारबार के लाभ और हानि लेखा ताने डाले गए हैं और निर्वारिती द्वारा उपयुक्त खर्चे यदि कोई हैं, जो उक्त कारबार और निर्वारिती के किसी कारबार

के भाष साक्ष में है, युक्तियुक्त आधार पर प्रमाणित किए गए हैं और युक्तियुक्त राशियाँ उक्त कारबार के लाभ और हानि खाते नामे उनी गई हैं।

\*मैने/हमने सभी ऐसी जानकारी और स्पष्टीकरण अधिप्राप्त कर लिए हैं, जो मेरे/हमारे सर्वोत्तम ज्ञान और विश्वास के अनुसार आवश्यक थे।

\*मेरी/हमारी राय में मुख्य कार्यालय और शाखा कार्यालयों में पूर्वोक्त कारबार की वास्तविकता \*मैने/हमने निरीक्षण किया है, जहां तक \*मुझे/हमें बहियों की परीक्षा से प्रतीत होता है, समुचित लेखा बहियाँ रखी गयी हैं, और संपरीक्षा के प्रयोजनों के लिए उन शाखाओं से जिनका \*मैने/हमने निरीक्षण नहीं किया है, नीचे दी गई टीका टिप्पणी के अधीन रहते हुए, पर्याप्त उचित विवरणियाँ प्राप्त हुई हैं।

\*मेरी/हमारी राय में और मेरी/हमारी सर्वोत्तम जानकारी तथा मुझे हमें दिए स्पष्टीकरणों के अनुसार उक्त लेखा निम्नलिखित मामलों में सही और ठीक चित्रण करते हैं :—

- (i) तुलनपत्र की दशा में, ..... का उपर्युक्त कारबार के कार्यकाल की स्थिति और (ii) लाभ और हानि लेखा की दशा में, ..... को समाप्त होने वाले लेखा वर्ष के लिए उपर्युक्त कारबार का लाभ या उसकी हानि।

स्थान .....

तारीख

हस्ताक्षर

लेखापाल

टिप्पण :—

1. \*जा लागू न हो उसको काट दें।

2. \*\*, वहाँ, यथास्थिति निर्धारित द्वारा हाथ में ली गई विदेशी परियोजना की प्रकृति, या निर्धारित द्वारा हाथ में ली गई किसी विदेशी परियोजना के भाग रूप कार्य का उल्लेख करें।

3. यह रिपोर्ट निम्नलिखित व्यक्ति द्वारा दी जानी है।

- (i) चार्टर्ड एकाउंटेंट अधिनियम, 1949 (1949 का 38) के अन्तर्गत कोई चार्टर्ड एकाउंटेंट, या  
(ii) कोई व्यक्ति जो किसी राज्य के संबंध में कंपनी अधिनियम 1956 (1956 का 1) की धारा 226 की उप-धारा (2) के उपबन्धों के परिणामस्वरूप उस राज्य में रजिस्ट्रीकृत कंपनियों के संपरीक्षक के रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किए जाने का हक्कार है।

4. जहाँ इस रिपोर्ट में कथित किसी मामले का उत्तर नकारात्मक या किसी विशेषक के साथ दिया जाता है वहाँ रिपोर्ट में उसके लिए कारणों का उल्लेख किया जाएगा।

[सं० 4781/फा०सं० 142/22/82 टी पी एल ]

ई०के० कोशी,

सचिव

केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड

## MINISTRY OF FINANCE CENTRAL BOARD OF DIRECT TAXES

### NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July, 1982

### INCOME-TAX

**S.O. 472(E).**—In exercise of the powers conferred by section 295 of the Income-tax Act, 1961 (43 of

1961), the Central Board of Direct Taxes hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Rules, 1962, namely :—

1. (1) These rules may be called the Income-tax (Seventh Amendment) Rules, 1982.

- (2) They shall come into force on the 1st day of April, 1983.

2. In the Income-tax Rules, 1962 (hereinafter referred to as the principal rules), after rule 18BB, the following rule shall be inserted, namely :—

“18BBA. Form of audit report for claiming deduction under section 80HBB.

The report of the audit of the accounts of an assessee, other than a company or a co-operative society, which is required to be furnished under clause (i) of sub-section (3) of section 80HBB shall be in Form No. 10CCA.”

3. In Appendix II to the principal rules, after Form No. 10CC, the following form shall be inserted, namely :—

“FORM NO. 10CCA

(See rule 18BBA)

### AUDIT REPORT UNDER SECTION 80HBB OF THE INCOME-TAX ACT, 1961

\*I/We have examined the balance sheet of the business of the execution of \*\*\_\_\_\_\_ in (name of the country) carried on by \*Shri/M/s. Name of the assessee) as at \_\_\_\_\_ and the profit and loss account of the said business for the year ended on that date and we find that they are in agreement with the books of account maintained at the head office \_\_\_\_\_ and branches at \_\_\_\_\_

\*I am/We are satisfied that \*Shri/M/s. \_\_\_\_\_ \*has/have maintained separate accounts in respect of the profits and gains derived from the business of the execution of \*project/work referred to above.

\*I/We certify that all expenses, wherever incurred, for the purposes of the said business have been debited to the profit and loss account of the said business and that expenses, if any, incurred by the assessee which are common to the said business and any other business of the assessee have been apportioned on a reasonable basis and appropriate debits have been made to the profit and loss account of the said business.

\*I/We have obtained all the information and explanations which to the best of \*my/our knowledge and belief were necessary for the purposes of the audit. In \*my/our opinion, proper books of account have been kept by the head office and the branches in respect of the aforesaid business visited by \*me/us so far as appears from \*my/our examination of books, and proper returns adequate for the purposes of audit have

been received from branches not visited by \*me/us subject to the comments given below :

In \*my/our opinion and to the best of \*my/our information and according to explanations given to \*me/us, the said accounts give a true and fair view—

- (i) in the case of the balance sheet, of the state of affairs of the aforesaid business as at \_\_\_\_\_, and
- (ii) in the case of the profit and loss account, of the profit or loss of the aforesaid business for the accounting year ending on \_\_\_\_\_

Place \_\_\_\_\_

Date \_\_\_\_\_

\_\_\_\_\_  
Signature  
†Accountant.

#### NOTES :

1. \*Delete whichever is not applicable.
2. \*\*Here give nature of the foreign project undertaken by the assessee or, as the case may be,

work forming part of a foreign project undertaken by the assessee.

3. †This report is to be given by:—

- (i) a chartered accountant within the meaning of the Chartered Accountants Act, 1949 (38 of 1949) ; or
- (ii) any person who, in relation to any State, is, by virtue of the provisions in sub-section (2) of section 226 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956) entitled to be appointed to act as an auditor of companies registered in that State.

4. Where any of the matters stated in this report is answered in the negative or with a qualification, the report shall state the reasons therefor.”

[No. 4781/F No. 142(22)/82-TP]

E. K. KOSHI, Secy.  
Central Board of Direct Taxes

